POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A. Part-1, Paper-2

Dr. Husna Ara
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur
Samastipur

बाल गंगाधर तिलक -

बाल गंगाधर तिलक का जन्म 1856 ई० में रत्नागिरी जिला, महाराष्ट्र में हुआ था। वह महान राष्ट्रवादी, समाज सुधारक, शिक्षक एवं स्वतंत्रता सेनानी थे। तिलक स्वराज्य के प्रबल समर्थक थे। तिलक ने दक्कन कॉलेज पुने से स्नातक किया। 1879 में उन्होंने कानून की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने सस्ती शिक्षा की योजना बनाई और श्री आगरकर से मिलकर 'न्यू इंगलिश स्कूल' खोला। दक्कन शिक्षा समिति और फर्ग्युसन कॉलेज की स्थापना में भी उनका हाथ था।

बाल गंगाधर तिलक ने राष्ट्रीय जागृति एवं वीरता उत्पन्न करने के लिए महाराष्ट्र में 'शिवाजी उत्सव' और 'गणपति उत्सव' मनाने की प्रथा जारी की। उन्होंने 'मराठा' और 'केसरी' नामक दो समाचार पत्र निकाले तथा भारतीय स्वाधीनता का प्रबल समर्थन किया। 1879 ई० में तिलक बम्बई विधान परिषद् के सदस्य चुने गए। वहाँ पर उन्होंने बड़ी निर्भीकतापूर्वक सरकार की आलोचना की।

Scanned with CamScanner

उसी वर्ष महाराष्ट्र में बड़ा भारी दुर्भिक्ष पड़ा तथा अगले वर्ष पूना में बड़ी भयानक प्लेग फैली। सरकार ने उसके रोकथाम के लिए बहुत धीमी कार्रवाई की, लगभग एक लाख लोग मृत्यु को प्राप्त हुए। तिलक ने सरकार की कटु आलोचना की तथा अपने समाचार पत्र में इस हेतु लेख भी लिखे। इसी दौरान चापेकर बंधुओं द्वारा प्लेग कमिश्नर रैंड तथा एक अन्य अंग्रेज अधिकारी की हत्या कर दी। तिलक पर हिंसा तथा राजद्रोह भड़काने का आरोप लगा और उन्हें 18 महीने जेल की सज़ा हुई।

तिलक और होमरूल आन्दोलन —

तिलक ने 1916 ई० में श्रीमती एनी बेसेण्ट के साथ मिलकर होमरूल आन्दोलन चलाया। होमरूल आन्दोलन में स्वशासन पर जोर दिया गया। तिलक ने गाँव - गाँव भ्रमण किया तथा किसानों एवं स्थानीय लोगों से स्वशासन हेतु चलाए जाने वाले आंदोलन में समर्थन माँगा। अप्रैल 1916 तक होमरूल लीग के हजारों लोग सदस्य बन गए। तिलक का होम रूल लीग कर्नाटक, मध्य प्रांत, बरार तथा महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों में सक्रिय था।

Dr. Husna Ara
Asst Professor.

Scanned with CamScanner